

2-6-2016

राजस्व लोक भद्रालय न्याय भाषणे
 ठार के वरत उभयपक्षा को
 सुनवाई हेतु कोर्ट में जारी होने के
 बाद पत्रावली भाग राजस्व लोक
 भद्रालय भद्रालय सेवा केन्द्र गुणक
 मोहम्मदाबाद पर परा दुपी वारीया
 कानूनी देवी व प्रतिवादी का के
 प्रतिवादी 10 (क 2 उपस्थित) उभय
 पक्षा को सुना गया प्रतिवादी का
 का कथन है कि वे वारीया को
 स्वामेदारी शक्ति के सम्बन्ध में कानून
 नहीं कर रहे हैं। यदि वे वारीया को
 स्वामेदारी शक्ति के प्राप्ति किया जाता है
 तो कोई भाषा नहीं रहे है स्वामेदारी
 वारीया स्वीकार किया जाकर प्रतिवादी का
 को दंडा 10 के सिद्धे जस्टिस सिद्धी किर्षे दक्ष
 प्राप्ति किया जाता है कि वे वारीया से
 स्वामेदारी के कानून का रत की आरानी
 खण्ड 8, 46, 48, 49, 50, 51, 52, 92, 106
 कुल कितना 9 कुल खण्ड 10-70 के वारे
 गुणक अधुना अधुना कलां तद्वर्ती उचितता के
 कितनी प्रकार के दरवलेपनी नहीं करे।
 पत्रावली जारी हो पत्रावली के लक्ष्य
 होकर कानून के कानून ही कानून प्रवर्तित हो

के